CTET DECEMBER 2023

Aspiring teachers

SST सामाजिक अध्ययन

अभिकथन & कारण

(A & R) वाले प्रश्न – 2

Mahendar Sir

सफल BATCH

FOR CTET DEC 2023

PAPER 1 + PAPER 2

- COURSE BASED ON THE LATEST PATTERN
- COMPLETE LIVE+RECORDED SESSIONS
- COMPLETE PDF NOTES OF THE COMPLETE SYLLABUS
- DOUBT SESSION
- 6+6 MONTHS VALIDITY
- COMPLETE ROAD MAP

JOIN BATCH NOW

USE CODE AT40

~~₹5000/-~~ ₹2999/-

सफल BATCH

FOR CTET DEC 2023

PAPER 1

- COURSE BASED ON THE LATEST PATTERN
- COMPLETE LIVE+RECORDED SESSIONS
- COMPLETE PDF NOTES OF THE COMPLETE SYLLABUS
- DOUBT SESSION
- 6+6 MONTHS VALIDITY
- COMPLETE ROAD MAP

JOIN BATCH NOW

USE CODE : **AT40**

~~₹4000/-~~ ₹2399/-

सफल BATCH

FOR CTET DEC 2023

PAPER 2

- COURSE BASED ON THE LATEST PATTERN
- COMPLETE LIVE+RECORDED SESSIONS
- COMPLETE PDF NOTES OF THE COMPLETE SYLLABUS
- DOUBT SESSION
- 6+6 MONTHS VALIDITY
- COMPLETE ROAD MAP

JOIN BATCH NOW

USE CODE : **AT40**

~~₹4000/-~~ ₹2399/-

STEP 1

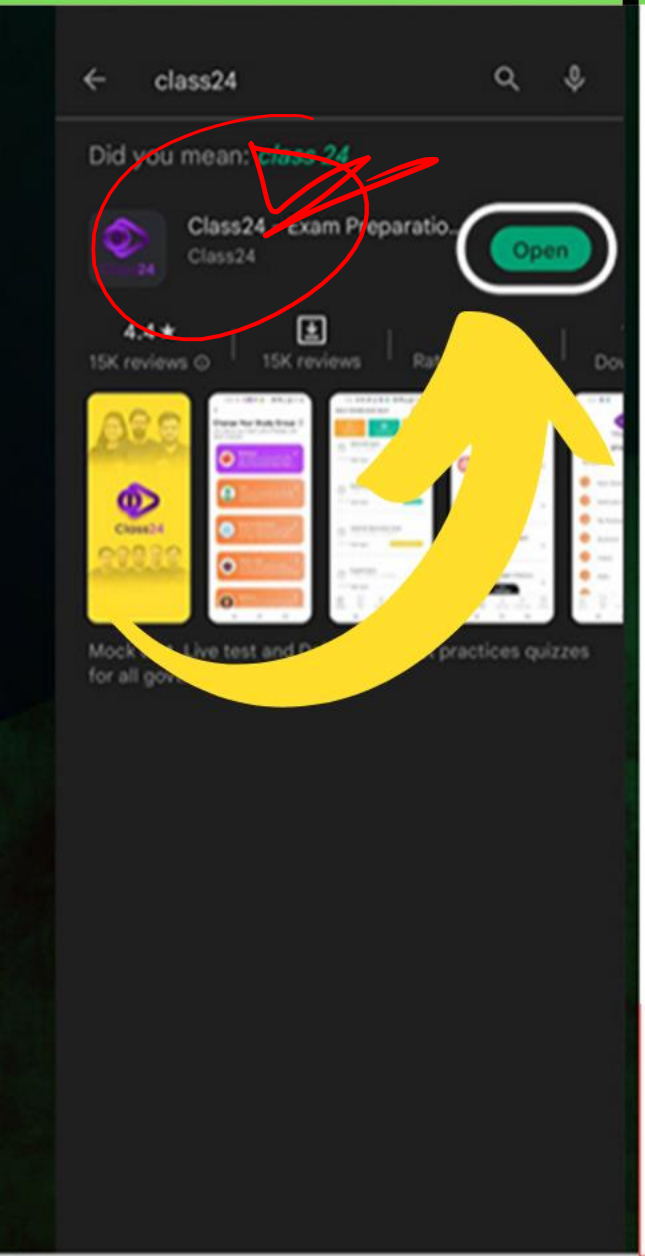

STEP 2

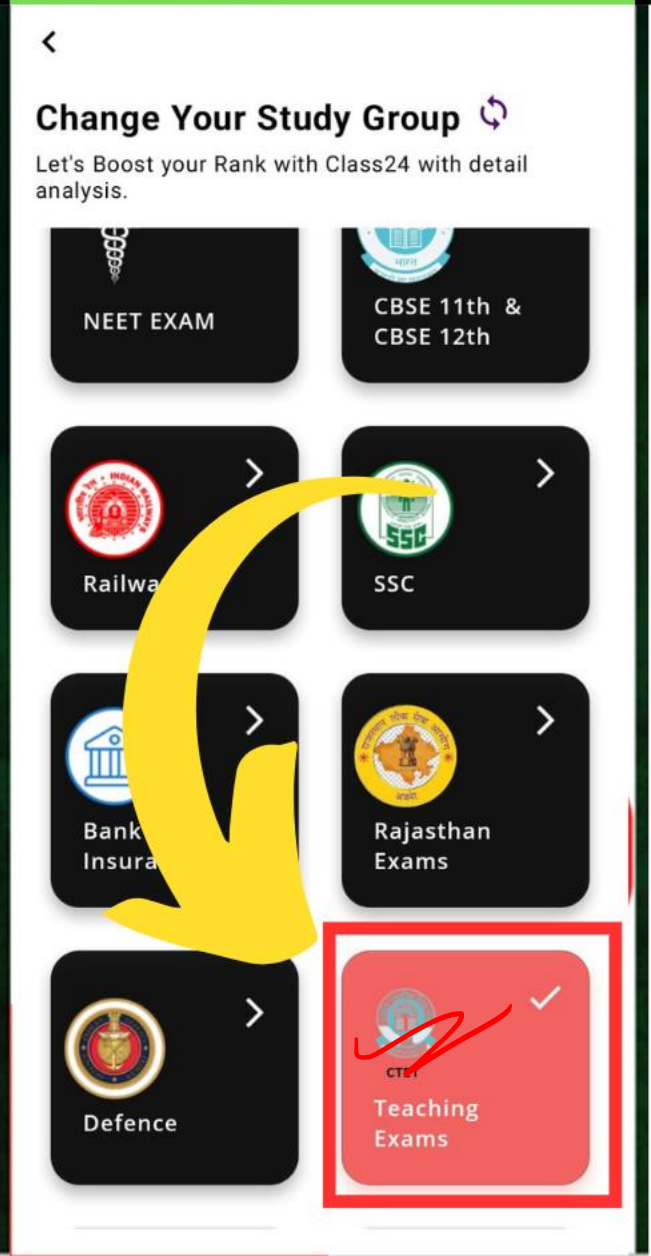

STEP 3

STEP 4

CTET DECEMBER 2023

सफल BATCH

CALL US FOR SUPPORT

7877518210, 7849841445,
8302972601

DOWNLOAD CLASS24 APP
FROM PLAYSTORE/APP STORE

Q.1 – Which of the following statements on Jyotirao Phule are correct?

(A) Phule studied in Christian missionary schools.

(B) He countered Brahman's claims of superiority.

(C) He said that Aryans were foreigners.

(D) He was critical of anti-colonial nationalism of his times.

(E) He dedicated his book Gulamgiri to anti-apartheid struggle of South Africa.

Choose the correct option.

1. (A), (B), (C) and (D)

2. (B), (C), (D) and (E)

3. (A) (C) (D) and (E)

4. (A), (B), (C) and (E)

Q.1 – निम्नलिखित में से ज्योतिराव फुले पर कौन से कथन सही हैं ?

(A) फूले ने ईसाई मिशनरी स्कूलों में पढ़ाई की थी।

(B) उन्होंने ब्राह्मणों के श्रेष्ठ होने के दावों पर खुलकर हमला किया था।

(C) उन्होंने कहा कि आर्य विदेशी थे।

(D) वह अपने समय के उपनिवेशवाद-विरोधी राष्ट्रवाद के आलोचक थे।

(E) उन्होंने अपनी किताब 'गुलामगीरी' दक्षिण अफ्रीका के रंगभेद विरोधी संघर्ष को समर्पित किया।

सही विकल्प का चयन कीजिए:

1. (A), (B), (C) और (D)
2. (B), (C), (D) और (E)
3. (A), (C), (D) और (E)
4. (A), (B), (C) और (E)

1

8 महिलाएँ, जाति एवं सुधार

चित्र 13 - ज्योतिराव फुले।

गुलामगीरी

"निम्न जाति" नेताओं में ज्योतिराव फुले सबसे मुखर नेताओं में से थे। 1827 में जन्मे ज्योतिराव फुले ने ईसाई प्रचारकों द्वारा खोले गए स्कूलों में शिक्षा पाई थी। बड़े होने पर उन्होंने जाति आधारित समाज में फैले अन्याय के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने ब्राह्मणों के इस दावे पर खुलकर हमला बोला कि आर्य होने के कारण वे औरों से श्रेष्ठ हैं। फुले का तर्क था कि आर्य विदेशी थे, जो उपमहाद्वीप के बाहर से आए थे और उन्होंने इस मिट्टी

फुले उच्च जाति नेताओं के उपनिवेशवाद-विरोधी राष्ट्रवाद के भी आलोचक थे। उन्होंने

1873 में फुले ने *गुलामगीरी* (गुलामी) नामक एक किताब लिखी। इससे लगभग दस साल पहले अमेरिकी गृह युद्ध हो चुका था जिसके फलस्वरूप अमरीका में दास प्रथा खत्म कर दी गई थी। फुले ने अपनी पुस्तक उन सभी

Q.2 –

I. A new form of Buddhism developed during the rule of King Kanishka.

II. Mahayana Buddhism had two distinct features; Buddha's presence was depicted through signs and the belief in Bodhisattvas.

1. Both (I) and (II) are true and (II) is linked to (I).
2. (I) is false but (II) is true.
3. Both (I) and (II) are true but (II) is not linked to (I).
4. (I) is true but (II) is false.

Q.2 – निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

I. बौद्ध धर्म की एक नई धारा का विकास राजा कनिष्क के (शासन) के समय में हुआ।

II. बौद्ध धर्म की नई धारा महायान की दो मुख्य विशेषताएँ थीं; बुद्ध की उपस्थिति सिर्फ कुछ संकेतों एवं बोधिसत्व में आस्था के माध्यम से दर्शाई जाती थी।

1. कथन (I) और (II) दोनों सही हैं एवं कथन (11), कथन (I) से संबंधित है।
2. कथन (1) गलत परन्तु कथन (II) सही है।
3. कथन (I) और (11) दोनों सही हैं परन्तु कथन (11), कथन (1) से संबंधित नहीं है।
4. कथन (1) सही है परन्तु कथन (II) ग

1

अध्याय 6
नए प्रश्न नए विचार

इस समय बौद्ध धर्म की एक नई धारा *महायान* का विकास हुआ। इसकी दो मुख्य विशेषताएँ थी। पहले, मूर्तियों में बुद्ध की उपस्थिति सिर्फ़ कुछ संकेतों के माध्यम से दर्शाई जाती थी। मिसाल के तौर पर उनकी निर्वाण

दूसरा परिवर्तन *बोधिसत्त्व* में आस्था को लेकर आया। बोधिसत्त्व उन्हें कहते हैं जो ज्ञान प्राप्ति के बाद एकांत वास करते हुए ध्यान साधना कर सकते थे। लेकिन ऐसा करने के बजाए, वे लोगों को शिक्षा देने और मदद करने के लिए सांसारिक परिवेश में ही रहना ठीक समझने लगे। धीरे-धीरे बोधिसत्त्व

Q.3 – Consider the statements:

I. The best known of the rulers who controlled the silk route were the Kushanas.

II. Kushanas ruled over Central Asia and North West India and were earliest rulers to issue gold coins which were used by traders.

1. Both (I) and (II) are true but (II) is not correct explanation of (I).
2. (I) is true but (II) is false.
3. Both (I) and (II) are true and (II) is correct explanation of (I).
4. (I) is false but (II) is true.

Q.3 – निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

I. सिल्क रूट पर नियंत्रण रखने वाले शासकों में सबसे प्रसिद्ध कुषाण थे।

II. कुषाणों ने मध्य एशिया तथा पश्चिमोत्तर भारत पर शासन किया एवं वे सबसे पहले सोने के सिक्के जारी करने वाले शासक थे जिनका उपयोग व्यापारियों ने किया।

1. कथन (I) और (II) दोनों सही हैं परन्तु कथन (11), कथन (I) की सही व्याख्या नहीं है।
2. कथन (1) सही है परन्तु कथन (II) गलत है।
3. कथन (I) और (11) दोनों सही हैं तथा कथन (11), कथन (1) की सही व्याख्या है।
4. कथन (1) गलत है परन्तु कथन (II) सही है।

1

अध्याय 9
व्यापारी, राजा और तीर्थयात्री

सिल्क रूट पर नियंत्रण रखने वाले शासकों में सबसे प्रसिद्ध कुषाण थे। करीब 2000 साल पहले मध्य-एशिया तथा पश्चिमोत्तर भारत पर इनका शासन था। पेशावर और मथुरा इनके दो मुख्य शक्तिशाली केंद्र थे। तक्षशिला भी इनके ही राज्य का हिस्सा था। इनके शासनकाल में ही सिल्क रूट की एक शाखा मध्य-एशिया से होकर सिंधु नदी के मुहाने के पत्तनों तक जाती थी। फिर यहाँ से जहाज़ों द्वारा रेशम, पश्चिम की ओर रोमन साम्राज्य तक पहुँचता था। इस उपमहाद्वीप में सबसे पहले सोने के सिक्के जारी करने वाले शासकों में कुषाण थे। सिल्क रूट पर यात्रा करने वाले व्यापारी इनका उपयोग किया करते थे।

Q.4 – Consider the following statements on kings.

I. Kings in every dynasty wanted to emphasise it their moral right to be rulers.

II. Kings constructed places of worship to proclaim their close relationship to God.

1. Staterhent (I) is true but (II) is false.
2. Both statements (I) and (II) are true and (I) is an explanation for (II).
3. Statement (I) is false but (II) is true.
4. Both statements (I) and (II) are true but (I) is not an explanation for (II).

Q.4 – निम्नलिखित कथनों को राजाओं के आधार पर विचार करें:

I. प्रत्येक राजवंश के राजा शासक होने के अपने नैतिक अधिकार पर बल देना चाहते थे।

II. ईश्वर के साथ अपने घनिष्ठ संबंध की उद्घोषणा करने के लिए राजाओं ने उपासना के स्थानों का निर्माण किया।

1. कथन (1) सही है परन्तु (II) गलत है।
2. कथन (I) और (II) दोनों सही हैं, तथा (1), (II) की व्याख्या है।
3. कथन (1) गलत है परन्तु (11) सही है।
4. कथन (I) और (11) दोनों सही हैं, परन्तु (1), (11) की व्याख्या नहीं है।

2

5 शासक और इमारतें

सत्ता में आने पर प्रत्येक राजवंश के राजा ने शासक होने के अपने नैतिक अधिकार पर और ज़ोर डाला। उपासना के स्थानों के निर्माण ने शासकों को, ईश्वर के साथ अपने घनिष्ठ संबंध की उद्घोषणा करने का मौका दिया। ऐसी उद्घोषणाएँ तेज़ी से बदलती राजनीति के संदर्भ में महत्त्व ग्रहण कर लेती थीं।

Q.5 – Consider the statements:

I. In his inscriptions Ashoka suggested that rituals are not useful.

II. People in Mauryan empire followed different religions and this sometimes led to conflict and animal sacrifice.

1. I is false and II is true.
2. II is false and I is true.
3. Both I and II are true but II is not a cause for
4. Both I and II are true and II is a cause of I.

Q.5 – निम्नलिखित कथनों पर विचार करें :

I. अशोक ने अपने अभिलेखों में यह सुझाव दिया कि कर्मकांड किसी काम के नहीं हैं।

II. मौर्य वंश के साम्राज्य में लोग विभिन्न धर्मों का अनुसरण करते थे तथा यह कभी-कभी विवाद एवं पशु बलि तक पहुँच जाता था।

1. (I) गलत है एवं (II) सही हैं।
2. (II) गलत है एवं (I) सही है।
3. (I) और (11) दोनों सही हैं परन्तु (II) (I) के लिए कारण नहीं है।
4. (I) और (II) दोनों सही हैं तथा (II), (I) का कारण है।

4

अध्याय 7

अशोक: एक अनोखा सम्राट जिसने युद्ध का त्याग किया

अशोक का धम्म क्या था?

अशोक के धम्म में किसी देवता की पूजा अथवा किसी कर्मकांड की आवश्यकता नहीं थी। उन्हें लगता था कि जैसे पिता अपने बच्चों को अच्छे व्यवहार की शिक्षा देते हैं वैसे ही यह उनका कर्तव्य था कि अपनी प्रजा को निर्देश दें। वे बुद्ध के उपदेशों से भी प्रेरित हुए थे।

ऐसी कई समस्याएँ थीं जिनके लिए उनमें संवेदना थी। उनके साम्राज्य में अलग-अलग धर्मों को मानने वाले लोग थे और इससे कई बार टकराव पैदा हो जाता था। जानवरों की बलि चढ़ाई जाती थी। दासों और नौकरों के साथ क्रूर व्यवहार किया जाता था। इनके

Q.6 –Consider the statements A and B:

A. The Ryotwari system of revenues built a direct relationship with the cultivators and tillers.

B. The Ryotwari system emphasised the extraction of revenue through the village headman.

1. (A) is true, (B) is false.
2. (A) is false, (B) is true.
3. Both (A) and (B) are true.
4. Both (A) and (B) are false.

Q.6 – निम्नलिखित कथन (A) और (B) पर विचार कीजिए:

A. राजस्व की रैयतवारी व्यवस्था ने किसानों (रैयतों) और खेतिहर कृषकों के बीच सीधा संबंध स्थापित किया।

B. रैयतवारी व्यवस्था ने ग्राम प्रमुख के माध्यम से राजस्व की उगाही पर बल दिया।

1. (A) सही है, (B) गलत है।
2. (A) गलत है, (B) सही है।
3. (A) और (B) दोनों सही हैं।
4. (A) और (B) दोनों गलत हैं

4

3 ग्रामीण क्षेत्र पर शासन चलाना

मुनरो व्यवस्था

ब्रिटिश नियंत्रण वाले दक्षिण भारतीय इलाकों में भी स्थायी बंदोबस्त की जगह नयी व्यवस्था अपनाने का प्रयास किया जाने लगा। वहाँ जो नयी व्यवस्था विकसित हुई उसे रैयतवार (या रैयतवारी) का नाम दिया गया। कैप्टन एलेक्ज़ेंडर रीड ने टीपू सुल्तान के साथ चले युद्धों के बाद कंपनियों द्वारा कब्ज़े में लिए गए कुछ इलाकों में इस व्यवस्था को आज़मा कर भी देख लिया था। टॉमस मुनरो ने इस व्यवस्था को विकसित किया और धीरे-धीरे पूरे दक्षिणी भारत पर यही व्यवस्था लागू कर दी गई।

रीड और मुनरो को लगता था कि दक्षिण में परंपरागत ज़मींदार नहीं थे। इसलिए उनका तर्क यह था कि उन्हें सीधे किसानों (रैयतों) से ही बंदोबस्त करना चाहिए जो पीढ़ियों से ज़मीन पर खेती करते आ रहे हैं। राजस्व आकलन से पहले उनके खेतों का सावधानीपूर्वक और अलग से सर्वेक्षण किया जाना चाहिए। मुनरो का मानना था कि अंग्रेज़ों को पिता की भाँति किसानों की रक्षा करनी चाहिए।

Q.7 – Which of the following statements is true in case of social reform and caste abolition?

(A) Rammohun Roy wrote pamphlets written as a dialogue to spread his ideas.

(B) Singh Sabha leaders promoted modern education and Sikh teachings.

(C) Periyar's teachings promoted the idea of equality through religion.

1. Only (A) and (B)

2.Only (B) and (C)

3. Only (A) and (C)

4. (A), (B) and (C)

Q.7 – निम्नलिखित में से कौन से कथन सामाजिक सुधार और जातीय उन्मूलन के संदर्भ में सही हैं?

(A) राममोहन राय ने अपने विचारों के प्रसार के लिए पर्चे लिखे जो संवाद के रूप में थे।

(B) सिंह सभा के नेताओं ने आधुनिक शिक्षा और सिख सिद्धांतों का प्रोत्साहन किया।

(C) पेरियार के शिक्षण में समानता का विचार धर्म के माध्यम से प्रोत्साहित किया गया।

1. केवल (A) और (B)

2. केवल (B) और (C)

3. केवल (A) और (C)

4. (A), (B) और (C)

1

8 महिलाएँ, जाति एवं सुधार

"पहले हम उन्हें लकड़ियों में बाँध देते हैं"

राममोहन रॉय ने अपने विचारों का प्रसार करने के लिए बहुत सारे पर्चे लिखे थे। इनमें से कुछ पर्चे किसी खास रिवाज़ के समर्थक और आलोचकों के बीच बहस के रूप में लिखे गए थे। सती प्रथा के बारे में इसी तरह का एक उदाहरण देखिए:

जिन्हें ब्राह्मणों ने अपने अधीन कर लिया है। उनका मानना था कि सभी धार्मिक नेता और मुखिया सामाजिक विभाजनों और असमानता को ईश्वरप्रदत्त मानते हैं इसलिए सामाजिक समानता के लिए सभी धर्मों से अछूतों को खुद मुक्ति पानी होगी।

पेरियार हिंदू वेद पुराणों के कट्टर आलोचक थे। खासतौर से मनु द्वारा रचित संहिता, *भगवदगीता* और *रामायण* के वे कटु आलोचक थे। उनका कहना था कि ब्राह्मणों ने निचली जातियों पर अपनी सत्ता तथा महिलाओं पर पुरुषों का प्रभुत्व स्थापित करने के लिए इन पुस्तकों का सहारा लिया है।

गतिविधि

ये संवाद 175 साल से भी ज़्यादा पहले के हैं। आपने भी अपने आसपास महिलाओं के महत्त्व और क्षमताओं के बारे में तरह-तरह के तर्क सुने होंगे। उन्हें लिखें। देखें कि तब और अब की दलीलों में क्या फर्क आया है?

सिंह सभा आंदोलन

सिखों के सुधारवादी संगठन के रूप में सिंह सभाओं की स्थापना 1873 में अमृतसर से शुरू हुई थी। बाद में 1879 में लाहौर में भी सिंह सभा का गठन किया गया। इन सभाओं ने सिख धर्म को अंधविश्वासों, जातीय भेदभाव और ऐसे आचरण जिसे वे गैर-सिख समझती थीं, से मुक्त कराने का प्रयास किया। उन्होंने सिखों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया जिसमें अकसर आधुनिक ज्ञान के साथ-साथ सिख धर्म के सिद्धांतों को भी पढ़ाया जाता था।

Q.8 – Consider the following statements:

I. Tawarikh was written by learned men in Urdu

II. The writer of Tawarikh used to live in urban areas

III. They often wrote their histories for Sultans in the hope of rich rewards

Which of the statement(s) is/are correct?

1. Both (1) and (II)
2. Both (II) and (III)
3. Both (1) and (III)
4. Only (1)

Q.8 – निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

I. तवारीख को सुशिक्षित व्यक्तियों द्वारा उर्दू में लिखा गया था।

II. तवारीख के लेखक नगरों में रहते थे।

III. वे प्रायः अपने इतिहास सुल्तानों के लिए, उनसे ढेर सारे पुरस्कार पाने की आशा में लिखा करते थे।

कौन सा कथन सही है/हैं ?

1. (I) और (II) दोनों
2. (II) और (III) दोनों
3. (I) और (III) दोनों
4. केवल (I)

2

3 दिल्ली के सुलतान

तवारीख के लेखक सचिव, प्रशासक, कवि और दरबारियों जैसे सुशिक्षित व्यक्ति होते थे जो घटनाओं का वर्णन भी करते थे और शासकों को प्रशासन संबंधी सलाह भी देते थे। वे न्यायसंगत शासन के महत्त्व पर बल देते थे।

ये कुछ और बातें ध्यान में रखें : (1) तवारीख के लेखक नगरों में (विशेषकर दिल्ली में) रहते थे, गाँव में शायद ही कभी रहते हों। (2) वे अकसर अपने इतिहास सुलतानों के लिए, उनसे ढेर सारे इनाम-इकराम पाने की आशा में लिखा करते थे। (3) ये लेखक अकसर शासकों को **जन्मसिद्ध अधिकार** और **लिंगभेद** पर आधारित 'आदर्श' समाज व्यवस्था बनाए रखने की सलाह देते थे। उनके विचारों से सारे लोग सहमत नहीं होते थे।

Q.16 – Arrange from earliest to recent, to reflect the emerg Nationalism :

(A) Rise of consciousness that Indian people should be sovereign.

(B) Withdrawal of llbert Bill.

(C) Formation of Indian National Congress.

(D) Enactment of Vernacular Press Act.

1. (C), (B), (A) and (D)
2. (B), (A), (D) and (C)
3. (A), (D), (B) and (C)
4. (D), (C) (A) and (B)

Q.16 – राष्ट्रवाद के उदय को प्रतिबिंबित करने के लिए निम्नलिखित को प्रारंभिक से नूतन क्रम में लगाएँ :

(A) भारतीय लोगों को संम्प्रभु होना चाहिए, यह चेतना जागृत हुई।

(B) इल्बर्ट बिल को वापस लेना।

(C) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की स्थापना।

(D) वाक्यूलर प्रेस एक्ट का पारित होना।

1. (C), (B), (A) और (D)
2. (B), (A), (D) और (C)
3. (A), (D), (B) और (C)
4. (D), (C), (A) और (B)

3

9 राष्ट्रीय आंदोलन का संघटन : 1870 के दशक से 1947 तक

राष्ट्रवाद का उदय

उपरोक्त बदलावों ने लोगों को एक अहम सवाल के बारे में सोचने के लिए विवश कर दिया : यह देश क्या है और किसके लिए है? इसका जवाब ज़्यादा गहरा हुआ। 1878 में आर्म्स एक्ट पारित किया गया जिसके जरिए भारतीयों द्वारा अपने पास हथियार रखने का अधिकार छीन लिया गया। उसी साल वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट भी पारित किया गया जिससे सरकार की आलोचना करने वालों को चुप कराया जा सके। इस कानून में प्रावधान था 1883 में सरकार ने इल्बर्ट बिल लागू करने का प्रयास किया। इसको लेकर काफी गहरा कर दिया था। 1885 में देश भर के 72 प्रतिनिधियों ने बम्बई में सभा करके भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना का फैसला लिया। संगठन के

Q.17 – Consider the following statements:

I. Second five year plan was formulated in 1954.

II. Second five year plan focused on development of heavy industries under the control of private players.

1. Both (I) and (II) are true.
2. Both (I) and (II) are false.
3. (I) is true but (II) is false.
4. (I) is false but (II) is true.

Q.17 – निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

I. 1954 में दूसरी पंचवर्षीय योजना तैयार की गई।

II. दूसरी पंचवर्षीय योजना में निजी संस्थानों के नियंत्रण में भारी उद्योगों के विकास पर बल दिया गया।

1. (I) और (II) दोनों सही हैं।
2. (I) और (II) दोनों गलत हैं।
3. (1) सही है परन्तु (II) गलत है
4. (I) गलत है परन्तु (II) सही

10 स्वतंत्रता के बाद

1956 में दूसरी पंचवर्षीय योजना तैयार की गई। इस योजना में इस्पात जैसे भारी उद्योगों और विशाल बाँध परियोजनाओं आदि पर सबसे ज़्यादा जोर दिया गया। ये काम सरकारी नियंत्रण के अंतर्गत रखे गए। भारी उद्योग पर यह ज़ोर और अर्थव्यवस्था की राज्य नियंत्रण की कोशिशें अगले कुछ दशकों तक आर्थिक नीति को प्रभावित करती रहीं। इस पद्धति के